परिशिष्ठ – 4

प्रयोगशाला में की जाने वाली चिकित्सा

(Primary Treatment which can be done in the Lab)

प्रयोगशाला में प्राथमिक चिकित्सा हेतु प्राथमिक सहायता पेटी (First Aid Box) अवश्य होनी चाहिए। एक सामान्य प्राथमिक सहायता पेटी में निम्नलिखित वस्तुएँ होनी चाहिए– डेटॉल, ग्लिसरीन, बरनॉल, 1 प्रतिशत ऐसीटिक अम्ल, 1 प्रतिशत तथा 8 प्रतिशत जलीय सोडियम हाइड्रोजन कार्बोनेट विलयन ($NaHCO_3$), वैसलीन, एक्रोफ्लेविन, जिंक ऑक्साइड मरहम, जैतून का तेल, 1 प्रतिशत बोरिक अम्ल, रूई, पट्टी, बैण्डएड, प्लास्टर, टेप कैंची।

प्रयोग करते समय गलती से कोई दुर्घटना हो जाए तो तुरन्त अपने अध्यापक या प्रयोगशाला सहायक को सूचित करें।

प्रयोगशाला में होने वाली विभिन्न दुर्घनाओं के प्राथमिक उपचार निम्नलिखित है–

(a) जलने पर :

(i) ज्वाला से जलने पर : जले हुए हिस्से को कुछ देर तक 8% $NaHCO_3$ विलयन में डुबोकर रखें उसके पश्चात् वैसलीन या जिंक ऑक्साइड मरहम लगाकर पट्टी बाँध दें।

(ii) गरम जल से जलने पर : जले हुए हिस्से पर एक्रोफ्लेविन लगावें।

(iii) ब्रोमीन द्वारा जलने पर : ठण्डे जल से धोने के पश्चात् 8 प्रतिशत सोडियम बाई कार्बोनेट विलयन से धोएँ।

(iv) सोडियम धातु द्वारा जलने पर : सोडियम के टुकड़े को हटाने के पश्चात् जल तथा फिर 1 प्रतिशत ऐसीटिक अम्ल से धोएँ तथा उसके बाद घाव पर जैतून का तेल लगाएँ।

(v) अम्ल द्वारा जलने पर : ठण्डे जल से धोएँ तथा उसके पश्चात् 8 प्रतिशत सोडियम बाइकार्बोनेट विलयन से धोएँ, अधिक जलने पर पुनः जल से धोकर एक्रोफ्लेविन लगाएँ।

(vi) कॉस्टिक क्षार द्वारा जलने पर : तुरन्त ठण्डे जल से धोएँ तथा उसके पश्चात् 1 प्रतिशत ऐसीटिक अम्ल से धोएँ।

(b) किसी गैस को सूंघने पर :

गैस सूंघने पर विद्यार्थी को तुरन्त खुली हवा में ले जाएँ। यिद सांस आना रूक गया हो तो कृत्रिम – श्वास दें।

(i) क्लोरीन अथवा ब्रोमीन की अधिक मात्रा सूंघ लेने पर कुछ मात्रा में अमोनिया सुंघाएँ तथा सोडियम बाइकार्बोनेट के विलयन से कुल्ले कराएँ।

(ii) अधिक अमोनिया सूंघने पर नाक में ठंडा जल चढ़ाएँ तथा निकालें।

(c) आग लगने पर :

(i) किसी अभिकर्मक में आग लगने पर तुरन्त गैस सप्लाई बंद कर दें तथा अग्निशामक यंत्र से आग बुझाएँ।

(ii) कपड़ों में आग लगने पर विद्यार्थी को कम्बल या कोई अन्य मोटा कपड़ा लपेट कर जमीन पर लेटा दें। इस स्थिति में भागना नहीं चाहिए।

(d) आँख दुर्घटना होने पर :

(i) आँख में ब्रोमीन जाने पर – आँख को जल द्वारा धोएँ उसके बाद 1 प्रतिशत सोडियम बाईकार्बोनेट विलयन से धोएँ। उपयुक्त प्राथमिक चिकित्सा के बाद डॉक्टर को दिखाएँ।

(ii) आँख में अम्ल जाने पर – यदि अम्ल तनु हो तो आँख को बार–बार 1 प्रतिशत सोडियम बाईकार्बोनेट विलयन से धोएँ तथा अम्ल सान्द्र होने पर आँख को पहले ठण्डे जल से तथा फिर 1 प्रतिशत सोडियम बाइकार्बोनेट विलयन से धोएँ।

(iii) आँख में क्षार जाने पर – आँख को पहले ठण्डे जल से तथा फिर 1 प्रतिशत बोरिक अम्ल विलयन से धोएँ।

(c) मुँह में द्रव चले जाने पर :

(i) मुँह में अम्ल तथा क्षार के चले जाने पर तुरन्त पानी के कुल्ले करें तथा पानी पीएँ।

(ii) मुँह में क्षार चले जाने पर काफी मात्रा में पानी पीएँ तथा इसके बाद चूने का पानी पीएँ। इसके पश्चात् दूध पीएँ।

* * * * *

* * *

* *

*